ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997| क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

हिंदी विश्वविद्यालय और भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के बीच समझौता

वर्धा, दि. 11 अगस्त 2021 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा और भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के बीच एक महत्वपूर्ण परियोजना 'गांधी का वर्धा काल : अभिलेखीकरण और इतिहास लेखन' पर एम ओ यू किया गया। अगस्त क्रांति के ऐतिहासिक दिवस के मौके पर (9 अगस्त 2021) हस्ताक्षर किए गये इस

परियोजना से शोध के नए क्षितिज खुलेंगे। हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल की प्रेरणा से हुए इस समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान तथा भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की ओर से परिषद के सदस्य सचिव प्रो. कुमार रत्नम ने हस्ताक्षर किए।

इस समझौते के अंतर्गत वर्धा तथा देश-विदेश के किसी भी कोने में महात्मा गांधी से संबंधित उनके वर्धा कालखंड सन 1936 से लेकर 1948 के बीच गांधी को अन्य विमर्शों के संदर्भ में किस तरह देखा गया इसका संकलन और डिजिटाइजेशन किया जाएगा। इस समझौते के अंतर्गत गांधी की प्रेरणा से वर्धा जिले में स्थापित अन्य रचनात्मक संगठनों में महात्मा गांधी से संबंधित उपलब्ध सामग्री का भी अध्ययन, संकलन और डिजिटाइजेशन किया जाएगा। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के केंद्र बिंदू रहे महात्मा गांधी के अंतिम दशक की सामग्रियों का अध्ययन, संकलन और लेखन भी इस समझौते के अंतर्गत किया जाएगा। देश के दोनों महत्वपूर्ण संस्थाओं के बीच पूरे भारत में अपने किस्म का यह इकलौता समझौता है जो "आजादी के अमृत महोत्सव" के शुभ अवसर को एक सार्थक परिणति की ओर अग्रसर करने में मिल का पत्थर साबित होगा।

हिंदी विश्वविद्यालय व भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद यांच्यात सामंजस्य करार

वर्धा, दि. 11 ऑगस्ट 2021 : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा आणि भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नवी दिल्ली यांच्यात 'गांधी का वर्धा काल : अभिलेखीकरण और इतिहास लेखन' या शीर्षका अंतर्गत एक महत्वपूर्ण सामंजस्य करार करण्यात आला आहे. हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल यांच्या प्रेरणेने तयार झालेल्या या करारावर विश्वविद्यालयाच्या वतीने कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान आणि भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नवी दिल्ली यांच्या वतीने परिषदेचे सदस्य सचिव प्रो. कुमार रत्नम यांनी क्रांती दिनाच्या ऐतिहासिक पर्वावर (9 ऑगस्ट) स्वाक्षरी केली.

या करारा अंतर्गत वर्धा तसेच देशाच्या कानाकोप-यात महात्मा गांधी यांच्यासंबंधात सन 1936 पासून तर 1948 पर्यंत गांधीजींना अन्य विमर्शांच्या संदर्भात कशा प्रकारे बघितले गेले याविषयीचे संकलन करुन त्याचे डिजिटाइजेशन केले जाईल. गांधीजींच्या प्रेरणेने वर्धा जिल्ह्यात स्थापण झालेल्या रचनात्मक संस्थांमधील गांधीजींशी संबंधित उपलब्ध असलेल्या साहित्याचे अध्ययन, संकलन तसेच डिजिटाइजेशन यात केले जाणार आहे. भारतीय स्वातंत्र्य संग्रामाचे केंद्र बिंदू राहिलेले महात्मा गांधी यांच्या अंतिम दशकातील साहित्याचे अध्ययन, संकलन व लेखन सुध्दा करारा अंतर्गत करण्यात येणार आहे. देशातील दोन महत्वाच्या संस्थांमध्ये अशा प्रकारचा हा एकमेव करार होय. हा करार स्वातंत्र्याच्या अमृत महोत्सवी पर्वावर एक सार्थक पाउल टाकण्याचा दिशेने मैलाचा दगड सिद्ध होईल.